कन्हिया तुम्हि एक नजर देखना है जिधर तुम छुपे हो उधर देखना है Bhajans Bhakti Songs

कन्हिया तुम्हि एक नजर देखना है
जिधर तुम छुपे हो उधर देखना है

विधुर भीलनी के जो घर तुमने देखे
तो तुम को हमारा भी वो घर देखना है

उबारा था जिस कर से गीध ओर गज को
हमे उन हाथों का हुनर देखना है

टपकते हैं द्रग बिंदु तुमसे ये कहकर
तुम्हे अपनी उल्फत में तर देखना है

अगर तुम हो दीनो के आहो के आशिक
तो आहो का अपना असर देखना है

Source: https://www.bharattemples.com/kanhaiya-tumhein-ek-nazar-dekhna-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw